

AGRICULTURAL WORKERS (PAYMENT OF PENSION, FIXATION OF MINIMUM WAGES, COMPULSORY INSURANCE AND OTHER AMENITIES) BILL*

SHRI B. V. DESAI (Raichur): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to provide for pension, provident fund, minimum wages and other amenities for agricultural workers.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to provide for pension, provident fund, minimum wages and other amenities for agricultural workers."

The motion was adopted.

SHRI B. V. DESAI: Sir, I introduce the Bill.

REPRESENTATION OF THE PEOPLE (AMENDMENT) BILL*

(Insertion of new Section 10B etc.)

SHRI B. V. DESAI (Raichur): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Representation of the people Act, 1951.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Representation of the People Act, 1951."

The motion was adopted.

SHRI B. V. DESAI: Sir, I introduce the Bill.

15.39 hrs.

DEVDAASI AND MURLI PRACTICE (ABOLITION) BILL-Contd.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Further consideration of the following motion moved by Shrimati Usha Prakash Choudhari on 5 November 1982 namely:—

"That the Bill to abolish the practice of Devdasi and Murli in India be taken into consideration."

Shrimati Usha Prakash Choudhari.

श्रमति उषा प्रकाश चौधरी (अमरावती) : उपाध्यक्ष महोदय, इसके पूर्व सेशन में मैंने यह प्रस्ताव रखा था और यह बिल मूव किया था कि भारत में देवदासी प्रथा और मुरली प्रथा को समाप्त करने हेतु विधेयक पर विचार किया जाए। अब मैं इस सदन में इस विषय पर प्रतिपादन करना चाहती हूँ। मेरी सदन से प्रार्थना है कि इस विषय पर गम्भीरता से और मानवता की दृष्टि से विभिन्न दलों, धर्म और जाति तथा विचारों को छोड़ कर सभी सदस्यगण सहानुभूतिपूर्वक विचार करें।

मुझे दुख है कि आजादी के बाद भी सबसे ज्यादा उपेक्षित वर्ग अगर कोई रहा है तो महिलायें रहीं हैं। उन्हीं में से एक वर्ग है देवदासी का, जिसको भगवान के नाम पर अर्पित किया जाता है और उसकी मर्यादा सिर्फ भगवान तक ही नहीं रहती, उसके बाद उस गाँव का बड़ा आदमी उसकी बोली लगाता है जैसे बाजार में जानवर की बोली लगती है, और उसे खरीदा जाता है और उसके बाद जब तक उसके मन में रहा तब तक उसको रखता है और बाद में जब